|  |  |  |  | (1) |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| (, Tond nercminsox, Pablust. |  |  |  |  |  |
| VOLUME 2. | EBENSBURG, PA., THURSDAY, AUGUST 30, 1860. |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  | I'm thinking of the days, Mary When eery own youth, | your |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  | Atemen |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  | Their richest odors lent. There neath some spreading oak, Mary. |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  | ind |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  | , |  |  |  |  |
|  | Ine |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  | Fer thou wert in the cold earth haid- Thy voice in death was hushed, Far from thy mountain home, Mary, |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  | The moudering ashes lie. Though death hus parted ns, Mary, And severed kindred ties, |  |  |  |  |
|  | We'll meet again in lands more fair, |  | , |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  | A STORY Of THE GOLOEN AGE |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  | , |  |
|  |  |  | \% |  |  |
|  |  | Thit | male her tow it thim |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  | exper |
|  |  |  |  |  |  |
|  | odorous flowers; red strawberrics gleamed through the grass; the $\mathrm{c}^{\text {¹ umps of shrub- }}$ bery were filled with delicious berries; and |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  | Solidin in |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  | rude in structure, but so embowered with foliage and surrounded with spreading trees, and so in harmony with the land- |  |  |  |  |
|  | $\begin{aligned} & \text { scape, that each cluster was a new picture } \\ & \text { of delight. Herds of cattle were lowing } \\ & \text { in the meadows, horses neighed in their } \end{aligned}$ |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  | landscape. These wereattended by shep- herds and shepherdesses, dressed in simple |  |  |  |  |
|  |  |  | $\begin{aligned} & \text { c- } \\ & \text { pered Tamar that her lover had pone.- } \\ & \text { The roses that had left her cheeks now } \\ & \text { fled from her lips; she sank fainting on } \\ & \text { te the flowery sod. } \end{aligned}$ |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  | the distant cascades, the murmur of the summer, brecze, the hum of bees, were mineled with the melodies of rude shep- |  |  |  |  |
|  |  | maidenbood, that the deeper love no proffered ouly perplexcd and distressed |  |  |  |

